महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

द रुरल कनेक्ट

खंड 02 अंक 6
दिसंबर 2022

"यह जरूरी है कि हम अपने भारतीय मिशनों के माध्यम से नौकरी के अवसरों को मैप करें, क्षमता निर्माण करें और तदनुसार प्रासंगिक कौशल सेटों पर प्रशिक्षण दें और प्लेसमेंट को प्रोत्साहित करें। जैसा कि हम खुद को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 3टी रणनीति से जोड़ते हैं, जो व्यापार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है, भारत में कुशल कार्यबल की वैश्विक मांग को पूरा करने की बड़ी क्षमता है" वैश्विक कौशल गतिशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में तालमेल बनाने के लिए दस देशों के भारतीय मिशनों के साथ वर्चुअल ग्लोबल स्किल समिट में केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा।

सम्मेलन में दस विभिन्न देशों के भारतीय मिशनों का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय राजदूतों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य देशों की कौशल आवश्यकताओं और भारत में कौशल उपलब्धता पर सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र को संस्थागत बनाना है। वर्चुअल ग्लोबल स्किल समिट वैश्विक कौशल गतिशीलता के लिए साझेदारी को बढ़ावा देने, मजबूत नीतिगत ढांचा तैयार करने, वैश्विक मानकों के साथ बेंचमार्किंग करने और विदेशों में भारतीय कुशल पेशेवरों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रमुख मंत्रालयों, विभागों और देश मिशनों के साथ एक सामान्य मंच रहा है। "सार्वजनिक-निजी भागीदारी, बहु-मंत्रालय दृष्टिकोण, अग्रगामी नीतिगत ढांचे के साथ, सरकार भारतीय कुशल पेशेवरों को अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजना वैश्विक अवसरों के साथ जोड़कर कौशल गतिशीलता को बढ़ाने में सूत्रधार की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।", उन्होंने कहा।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आई.) की राष्ट्रीय परिषद् की बैठक को संबोधित करते हुए, श्री प्रधान ने उद्योग, शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं को 21वीं सदी के लिए भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने और आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता के बारे में बात की।

आई.आई.टी. दिल्ली में नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एन.सी.आर.एफ.) के मसौदे पर परामर्श में बोलते हुए, श्री प्रधान ने कहा कि एन.ई.पी. 2020 में ज्ञान, कौशल और रोजगार के बीच की बाधाओं को दूर करने के लिए क्रेडिट ढांचे के सार्वभौमिकरण की परिकल्पना की गई है, सभी प्रकार के शिक्षा के लिए एक क्रेडिट संचय और हस्तांतरण प्रणाली की स्थापना की गई है। शिक्षा और कौशल के रास्ते के बीच निर्बाध गतिशीलता सुनिश्चित करना।

नई दिल्ली में फिनलैंड के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति मंत्री श्री पेट्री होनकोनेन के साथ हुई बैठक में, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने ज्ञान को द्विपक्षीय सहयोग का प्राथमिकता स्तंभ बनाने और शिक्षा, कौशल के सभी क्षेत्रों, विकास और सीमांत अनुसंधान में जुड़ाव गहरा करें पर उपयोगी चर्चा की।

(स्रोत: pib.gov.in)

एम.जी.एन.सी.आर.ई. देश भर में सामरिक कौशल विकास गतिविधियों के पथ पर है.....उच्चतर शिक्षा संस्थानों को सशक्त बनाना.....कौशल निर्माण को बढ़ावा देना.....सकाय की क्षमता निर्माण.....

- अप्रेंटिसशिप और इंटर्नशिप के लिए मार्गदर्शन और सुविधा पर संकाय विकास कार्यक्रम - रोजगार और उद्यमिता के लिए छात्रों को कुशल बनाना
- विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर एस.सी.ई.आर.टी. स्तर की कार्यशालाएं
- स्थिरता, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण जुड़ाव पर कार्यशालाएं
- ग्रामीण उद्यमिता और कौशल विकास पर कार्यशाला
- सामाजिक उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता, सतत विकास, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल पर गतिविधियों को बढ़ावा देना
- उद्यमशीलता गतिविधियों का संचालन करके राष्ट्रीय उद्यमिता माह मनाना
- जिला कलेक्टरों/कुलपतियों द्वारा उद्यमिता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने पर पोस्टर का विमोचन
- भारत रत्न नानाजी देशमुख ग्रामीण अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम - 2022-23 के तहत उच्चतर शिक्षा और ग्रामीण सरोकारों के क्षेत्र में एम.जी.एन.सी.आर.ई. प्रशिक्षुओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम को बढ़ावा देने के लिए काकतीय विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

प्रो. टी. रमेश, काकतीय विश्वविद्यालय के कुलपति और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार के साथ-साथ एम.ओ.यू. कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ

अकादमिक, उद्योग और कौशल परिषदों का पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग छात्रों को कुशल और नौकरी के लिए तैयार करने के लिए स्नातक करने के लिए सही मंच प्रदान करके एक मजबूत और ठोस संघ बनाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों से अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम (ए.आई.ई.डी.पी.) के कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने का आह्वान किया है। रोजगार के लिए छात्रों के कौशल को बढ़ावा देने के अपने प्रयास में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एच.ई.आई.) से ए.आई.ई.डी.पी. के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने और समन्वय करने का आह्वान किया है, जिससे छात्रों की रोजगार क्षमता, उद्यमशीलता और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा मिले। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों के परिणामस्वरूप गठित एच.ई.आई. में 12000 से अधिक संस्थागत प्रकोष्ठों ने देश भर में छात्र उद्यमिता को सक्रिय किया है - ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) - ग्रामीण उद्यमिता गतिविधियों को बढ़ावा देना; सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.) - सामाजिक उद्यमिता और सतत विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना; और व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक अधिगम (वेंटेल) प्रकोष्ठ - व्यावसायिक शिक्षा और कौशल गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।

संपादक की टिप्पणी

युवाओं को कौशल हासिल करने की जरूरत है और इसके लिए पूरे देश में एक नेटवर्क होना चाहिए। उन्हें वह कौशल हासिल करनी चाहिए जो भारत को एक आधुनिक देश बनाने में योगदान दे सके। वे जब भी दुनिया के किसी भी देश में जाएं तो उनके हुनर की तारीफ जरूर करें। अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप एंबेडेड ग्रेजुएशन (ए.आई.ई.डी.पी.) प्रोग्राम को बढ़ावा देने के एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रतिबद्ध एजेंडे के पीछे यही अंतर्निहित सिद्धांत है। प्रशिक्षित किए गए अप्रेंटिस अब राज्यों में व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित करने के लिए तैयार हैं। हमारे एफ.डी.सी. परिसर में उनके लिए एक सप्ताह का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्हें एच.ई.आई. के साथ नेटवर्क बनाने, सरकारी मशीनरी के साथ संवाद करने, स्वयं सहायता समूह बनाने में एच.ई.आई. की सहायता करने, उद्यमशीलता गतिविधियों का संचालन करने और एम.जी.एन.सी.आर.ई. को दस्तावेज और रिपोर्ट करने का प्रशिक्षण दिया गया। एम.एस.डब्ल्यू./एम.बी.ए./एम.एड./एम.ए. (शिक्षा) से उच्चतर शिक्षा और ग्रामीण सरोकारों के क्षेत्र में एक वर्ष की अवधि के लिए चालीस भारत रत्न नानाजी देशमुख ग्रामीण अप्रेंटिस का चयन किया गया। वे वर्तमान में देश में एच.ई.आई. में एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रवर्तित संस्थागत प्रकोष्ठों को मजबूत करने पर काम कर रहे हैं।

देश भर के विभिन्न राज्यों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत 250 इंटर्न काम कर रहे हैं, जो 27 राज्यों के 250 जिलों में फैले हुए हैं, जिसमें 2500 उच्चतर शैक्षणिक संस्थान (एच.ई.आई.) शामिल हैं और एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति इन इंटर्न की निगरानी कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों से प्रत्येक 25 संकाय के दो बैचों के साथ एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में समानांतर रूप से दो संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। एफ.डी.पी. इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप पर मार्गदर्शन और सुविधा पर हैं। प्रतिभागियों को डिग्री कॉलेजों के छात्रों के लिए स्किलिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के महत्व पर संबोधित किया गया। 6 दिवसीय एफ.डी.पी. में 2 दिवसीय क्षेत्र दौरा घटक शामिल था जिसमें संकाय को आजीविका विश्लेषण के लिए क्षेत्र दौरा पर ले जाया गया था।

एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. (17-19 अक्टूबर) में राष्ट्रीय कार्यशाला के बाद अनुवर्ती कार्यशालाओं के रूप में विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा पर एस.सी.ई.आर.टी. में राज्य-वार कई कार्यशालाएं आयोजित की गईं। कार्यशालाओं के अपेक्षित परिणाम व्यक्तिगत रूप से ग्रेड 9 और 10 के पाठ्यक्रम के लिए विषय-वार सामग्री विश्लेषण दस्तावेज तैयार करना था, जिसमें उन विषयों/उप-विषयों को सूचीबद्ध किया गया था जिनसे व्यवसाय/पेशा को जोड़ा जा सकता है; और व्यक्तिगत रूप से ग्रेड 9 और 10 के पाठ्यचर्या के लिए विषयों/उप-विषयों के लिए अधिकतम तीन विषय-वार पाठ योजनाएं तैयार करने के लिए जो व्यवसाय/पेशा को एकीकृत करते हैं जिन्हें जोड़ा जा सकता है। हमें पाठ्यक्रम में कौशल निर्माण के लिए जगह बनाने पर ध्यान देना चाहिए। किसी भी इच्छा को लागू करने के लिए एक डिजाइन होगा। पुनरावृत्त अभ्यास एक कौशल है। बच्चों को लेखन की कला और कौशल भी सिखाया जाना चाहिए जो रिपोर्ट लेखन, दस्तावेजीकरण, विश्लेषण, विवरण आदि हो सकते हैं। शिक्षा समाज केंद्रित और छात्र केंद्रित होनी चाहिए। कोई भी ऐसा काम जिसका आर्थिक मूल्य हो- अखबार बांटना, दूध बांटना, चाय बनाना, किराना बेचना- ये सभी गरिमापूर्ण काम हैं। हमें श्रम की गरिमा को ध्यान में रखना होगा। कार्य के माध्यम से अवधारणाओं को पढ़ाने से प्रवीणता का निर्माण होगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा और गणित के लिए अपनाई गई पद्धतियों के माध्यम से कक्षा 9-12 शिक्षण-अधिगम लेनदेन के लिए व्यावसायिक शिक्षा पद्धति के एकीकरण पर 2 महीने की अवधि के प्रत्येक राज्य एस.सी.ई.आर.टी.-वार 4 लघु कार्य अनुसंधान परियोजनाओं की पेशकश करता है।

राष्ट्रीय उद्यमिता माह 20 अक्टूबर से 19 नवंबर 2022 तक मनाया गया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने संस्थागत प्रकोष्ठों - सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव (एस.ई.एस.आर.ई.), ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) और व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा (वेंटेल) को सक्रिय करने के लिए सभी प्रयास किए। प्रशिक्षुओं ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए देश के सभी जिलों में जाकर जिला कलेक्टरों और प्रशासन प्रमुखों को प्रतियोगिता पोस्टर जारी करने और शैक्षिक संस्थानों को उद्यमशीलता गतिविधियों में भाग लेने के निर्देश दिए। एच.ई.आई. में छात्र स्वयं सहायता समूह (एस.एस.एच.जी.) का गठन किया गया था जो चुनिंदा महत्वपूर्ण दिनों में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को आधार बनाएंगे और उन दिनों के आसपास अपने प्रचार और बिक्री का संचालन करेंगे।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई

यह जानकर उत्साहजनक है कि सकारात्मक परिणामों के साथ एस.सी.ई.आर.टी. कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागियों का काम वास्तव में प्रशंसनीय है क्योंकि वे सामग्री विश्लेषण और पाठ योजनाओं पर विचार-मंथन कर रहे हैं। वास्तव में, 'व्यावसायिक शिक्षा' देश भर में एक लोकप्रिय वाक्यांश बनता जा रहा है, जिसमें एम.जी.एन.सी.आर.ई. अपना योगदान दे रहा है। स्कूल केवल परीक्षा कौशल सिखाता है। बच्चों को कार्य उन्मुख होना चाहिए। वास्तविक जीवन के काम के माध्यम से बुनियादी कौशल सिखाने की जरूरत है जो वास्तविक जीवन में हो रही घटनाओं से जुड़े हों। हमें अपने पाठ्यक्रम में शारीरिक श्रम को नीचा नहीं दिखाना चाहिए। विषयों के लिए वास्तविक जीवन के कार्य में कोई अंतर नहीं है। किसी भी काम में सीख होती है। कार्यशालाएं विभिन्न कार्यों में सीखने की व्याख्या कर रही हैं और विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा के माध्यम से व्यवसायों का सार्वभौमीकरण कर रही हैं।

ए.आई.ई.डी.पी. का कार्यान्वयन सुचारू रूप से चल रहा है और एच.ई.आई. इस तरह के और पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कम से कम एक तिहाई पाठ्यक्रम कौशल आधारित कार्यक्रम हों।

देश भर में सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यशालाओं के मुख्य परिणाम संस्थागत प्रकोष्ठों का गठन, एस.एस.एच.जी. का गठन, ए.आई.ई.डी.पी. को बढ़ावा देना और पूरे वर्ष उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण दिवस मनाना है।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

उच्चतर शिक्षा को उद्योग और काम की दुनिया की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने में अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप की प्रमुख भूमिका होती है। इसे देश के लिए कुशल जनशक्ति विकसित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक माना जाता है। यह एक उद्योग आधारित, अभ्यास उन्मुख और परिणाम आधारित शिक्षा प्रदान करता है। रोजगार क्षमता में सुधार और मजबूत उद्योग-शिक्षा संबंध बनाने के इस उद्देश्य को पूरा करने का प्रयास करते हुए, यू.जी.सी. ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप एम्बेडेड डिग्री कार्यक्रम की पेशकश करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

UGC https://www.ugc.ac.in/pdfnews/9105852_ugc-guidelines_ApprenticeshipInternship.pdf

सेक्टर स्किल काउंसिल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन.एस.डी.सी.) के प्रमुख स्तंभों में से एक हैं, जो उद्योग की मांगों और कौशल आवश्यकताओं के बीच की अंतराल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कौशल विकास और उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति, 2015 ने कौशल भारत मिशन की रूपरेखा तैयार की और क्षेत्र कौशल परिषदों के निर्माण की परिकल्पना की। कौशल अंतर विश्लेषण के आधार पर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। एन.एस.डी.सी. कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने वाले उद्यमों, कंपनियों और संगठनों को वित्त पोषण प्रदान करके कौशल विकास में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। यह निजी क्षेत्र की पहलों को बढ़ाने, समर्थन और समन्वय करने के लिए उपयुक्त मॉडल भी विकसित करता है।

https://nsdcindia.org/sector-skill-councils

6- दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम
इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप पर मार्गदर्शन और सुविधा

रोजगार और उद्यमिता के लिए छात्रों का कौशल विकास

28 नवंबर से 3 दिसंबर तक दो संकाय विकास कार्यक्रम (चालू)

एफ.डी.पी. प्रतिभागी (प्रत्येक एफ.डी.पी. के लिए 25) आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के शिक्षक हैं। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप पर मार्गदर्शन और सुविधा पर एफ.डी.पी. के प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने डिग्री कॉलेजों के छात्रों के लिए स्किलिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के महत्व पर बात की। एफ.डी.पी. के सत्र एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्तियों द्वारा आयोजित किए गए थे। पहला सत्र किर्तिमान सत्र था जिसके बाद स्थानीय व्यवसायों और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप अवसरों के लिए व्यवसायों की मैपिंग की गई। सत्रों में शिक्षा-कार्य संबंध, कैरियर के अवसर, क्षेत्र कौशल परिषद, सरकारी कौशल निकाय, आकलन और मूल्यांकन तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। सामुदायिक सेवा परियोजना और अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष ध्यान दिया गया। सामुदायिक सेवा परियोजना पारस्परिक लाभ के लिए समुदाय को कॉलेज से जोड़ने के लिए है। गाँव/स्थानीय विकास के लिए कॉलेज के छात्रों के केंद्रित योगदान से समुदाय लाभान्वित होगा। कॉलेज को छात्रों के बीच सामाजिक संवेदनशीलता और जिम्मेदारी विकसित करने का अवसर मिलता है और यह एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्थान के रूप में भी उभरता है।

प्रतिभागियों को पड़ोस की आजीविका के अवसरों का अध्ययन करने में सक्षम बनाने के लिए नार्म, सिटी कॉलेज, और आस-पास के उद्यमशीलता और व्यवसाय से संबंधित कार्यस्थलों का क्षेत्र दौरा किया गया। अगले दिन उनके निष्कर्षों की एक प्रस्तुति के बाद किया गया था। सिटी कॉलेज के दौरे का उद्देश्य ए.आई.ई.डी.पी. के कार्यान्वयन को समझना था जिसमें छात्रों को 'सीखते समय से कमाओ (अर्न व्हाइल यू लर्न)' की पेशकश की जाती है। ए.आई.ई.डी.पी. का इरादा कौशल-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करना है, जो कक्षा में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम और कार्यस्थल (उद्योग) में नौकरी-प्रशिक्षण दोनों के रूप में है। प्रधानाचार्य, कर्मचारियों और ए.आई.ई.डी.पी. का अनुसरण करने वाले छात्रों के साथ बातचीत के साथ एक विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। ए.आई.ई.डी.पी. का कार्यान्वयन सुचारू रूप से चल रहा है और संस्था ए.आई.ई.डी.पी. की शुरुआत को लेकर उत्साहित है। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कम से कम एक तिहाई पाठ्यक्रम कौशल आधारित कार्यक्रम हों। आई.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (नार्म) कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार शिक्षा प्रणालियों में क्षमता निर्माण करती है, और राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली (एन.ए.आर.ई.एस.) के लिए नीति समर्थन प्रदान करती है।

प्रगति में एफ.डी.पी. की झलक -

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

समूह गतिविधियां, रोल प्ले, प्रस्तुतियां

पड़ोस में आजीविका विश्लेषण

गवर्नमेंट सिटी कॉलेज का दौरा

एस.सी.ई.आर.टी. में दो दिवसीय कार्यशाला

विषय पदधति दवारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा

ए.पी.एस.सी.ई.आर.टी., विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश 17-18 नवंबर: कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में डॉ. बी. प्रताप रेड्डी, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.- आं.प्र., डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. और एस.सी.ई.आर.टी. के 21 संकाय प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित थे। शिक्षा और शैक्षिक प्रौद्योगिकी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. टी. सुमालिनी कार्यशाला में अतिथि संसाधन व्यक्ति थे। प्रतिभागियों ने कक्षा 9 और 10 के अंग्रेजी, तेलुगु, हिंदी, सामाजिक विज्ञान, समावेशी शिक्षा और गणित विषयों के लिए व्यावसायिक और स्थानीय व्यवसायों को एकीकृत करने वाली सामग्री विश्लेषण और पाठ योजनाओं को विकसित करने पर व्यक्तिगत रूप से और जोड़े में काम किया। कार्यक्रम का समन्वय ए.पी.एस.सी.ई.आर.टी. के डॉ. एस. राजेश्वरी द्वारा किया गया था। ए.पी.एस.सी.ई.आर.टी. के निदेशक ने एस.सी.ई.आर.टी. आं.प्र. में कार्यशाला आयोजित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. को धन्यवाद दिया और एस.सी.ई.आर.टी. के संकाय से आग्रह किया कि अगले पाठ्य पुस्तक संशोधन अभ्यास के दौरान कार्यशाला से सीख को शामिल करें। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला की गतिविधियों को पूरा करने और 4 विषय पदधतियों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रस्तावित लघु शोध परियोजना में सक्रिय रूप से भाग लेने का भी आग्रह किया।

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE)
Department of Education, Ministry of Education, Government of India
Lesson Plan Format

Name of Faculty: T L Sailaja Date: 18.11.2022

Class	X - Films & Theatre	Subject	English
Lesson Name	Rendezvous with Ray. Maya Bazar	Duration of the Lesson	2 periods.
Concept(s) Covered	~~Elevation costing~~ costume character elevation		

Vocation(s) or Occupation(s) that can be connected to this lesson
1. costume designer.
2. Dialogue writer
3. photographer (cameraman)

Skills that will be inculcated — costume designer
1. ~~Sewing~~ - artistic ability
2. cutting & sewing skills
3. creativity
4. colour combination
5. Sense of Style

Interdisciplinary concepts that may be integrated
1. Measurements in Mathematics
2. Materials in Science, human body
3. communication skills - English & Telugu.
4. culture & tradition - social studies
5. Drawing

Learning Outcomes
1. Learns tailoring techniques, colour combination, proper fitting
2. demonstrate their visual skills
3. ~~interprets~~ obtains knowledge & skills necessary to access evaluate and interpret ideas, images.
4. acquires self confidence
5. Respects our culture & traditions

Tools/Material Needed	
1. Scissors	4. Needle & Thread.
2. sewing machine	5. show buttons.

1

संकाय प्रतिभागी द्वारा भरा गया नमूना: पाठ योजना प्रारूप

****

एस.सी.ई.आर.टी. सिक्किम 23-24 नवंबर: डॉ. शांति राम अधिकारी, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. सिक्किम ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उद्घाटन सत्र की शुरुआत की। इसके बाद एस.सी.ई.आर.टी. सिक्किम के निदेशक श्री के.सी. ग्यात्सो ने एक स्वागत भाषण दिया जिसमें उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताया। प्रतिभागियों ने कक्षा 9-12 से चार विषय पदधति (विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित और भाषा) द्वारा व्यावसायिक शिक्षा पर सामग्री विश्लेषण और विकसित पाठ योजनाओं पर काम किया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रस्तावित लघु अनुसंधान परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। डॉ. महेंद्र तमांग, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी. सिक्किम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. को उनके व्यावहारिक और अत्यंत प्रेरक भाषण के लिए, संयुक्त निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. को व्यावसायिक शिक्षा के बारे में अपने बहुमूल्य विचारों को साझा करने के लिए, और संसाधन व्यक्ति एम.जी.एन.सी.आर.ई. को कार्यशाला के उद्देश्यों को साझा करने और प्रतिभागियों को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का औचित्य देने के लिए धन्यवाद दिया।

कक्षा 9-12 के विषयो के शिक्षण अधिगम पद्धति मे व्यावसायिक शिक्षा पद्धति के एकीकरण मे लघु क्रिया अनुसधान के लिए कदम

1. विशेषज्ञता के विषय की पहचान करें
2. उन वर्गों की पहचान करें जिनके लिए आप यह क्रियात्मक शोध करना चाहते हैं
3. उन अध्यायों/इकाइयों की पहचान करें जिनसे आप पाठ्यपुस्तक के उन 20 पाठों को चुनते हैं जिन पर आप ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं
4. पाठ के प्रत्येक पैराग्राफ में मुख्य अवधारणाओं, सिद्धांतों, ज्ञान/दृष्टिकोण/कौशल पहलुओं पर पाठों की सामग्री का विश्लेषण करें।
5. आस-पड़ोस के स्थानीय व्यवसायों, पेशों, व्यापारों, व्यवसायों, कार्यों, व्यवसायों की पहचान करना और उनका अध्ययन करना - ए.प्रक्रिया के चरण, बी. सावधानियां और सी. उपकरण
6. इन उपजीविका/पेशा/व्यापार/व्यवसाय/कार्य/व्यवसाय के साथ पाठ-वार सामग्री का मिलान करें
7. सहकर्मियों, शिक्षकों, छात्रों, विशेषज्ञों के साथ त्रिभुज या क्रॉसचेक करें
8. एक मोटा व्यावसायिक शिक्षा पाठ योजना तैयार करें
9. इस व्यावसायिक शिक्षा पाठ योजना को लघु क्रिया अनुसंधान परियोजना आवेदन पत्र में दिए गए प्रारूप में प्रस्तुत करें

एस.सी.ई.आर.टी. झारखंड 28-29 नवंबर: कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत जे.सी.ई.आर.टी. की निदेशक सुश्री किरण कुमारी ने की। उन्होंने एन.ई.पी. 2020 के कार्यान्वयन के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के हस्तक्षेप के प्रयासों की सराहना की। नवंबर के दौरान एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने भारत में सभी राज्यों के एस.सी.ई.आर.टी. और सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों के लिए लघु शोध परियोजनाएं शुरू कीं।

******

एस.सी.ई.आर.टी. उत्तर प्रदेश लखनऊ 24-25 नवंबर: मुख्य अतिथि श्रीमती सुभा सिंह, निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. यू.पी., सम्मानित अतिथि, डॉ. पवन सचान, संयुक्त निदेशक एस.एस.ए. एस.सी.ई.आर.टी. यू.पी., विशेष अतिथि दीपा अवस्थी सहायक निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. यू.पी. ने कार्यशाला के उद्घाटन की शोभा बढ़ाई। श्रीमती दीपा तिवारी ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनसे सामग्री विश्लेषण में अपना अधिकतम प्रयास देने का आग्रह किया।

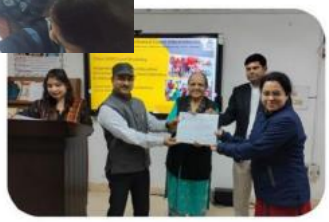

अन्य एस.सी.ई.आर.टी. इंटरैक्शन की झलक

संयुक्त निदेशक डॉ. नाहर सिंह एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली के साथ बैठक

अपर निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड डॉ. आर. डी. शर्मा, संयुक्त निदेशक श्रीमती कंचन देवराडी एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखंड के साथ बैठक

एस.सी.ई.आर.टी. मध्य प्रदेश भोपाल 21-22 नवंबर: श्री मनोज गुहा, समन्वयक एवं रिसोर्स पर्सन, एस.सी.ई.आर.टी. एम.पी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला का संचालन श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने किया। प्रतिभागियों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, भाषा (अंग्रेजी, हिंदी) ग्रेड 6,7,8,9 और 10 के पाठ्यक्रम का अध्ययन करने और उन विषयों/उपविषयों की पहचान करने के लिए कहा गया जहां स्थानीय व्यवसाय या व्यवसाय को एकीकृत किया जा सकता है।

****

सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव पर कार्यशालाएं

कार्यशालाओं का आयोजन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया जा रहा है -

- सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.) के विभिन्न पहलुओं को पेश करना और प्रदर्शित करना।
- राष्ट्रीय उद्यमिता पर काम करना
- सामाजिक उत्तरदायित्व और समुदाय को बढ़ावा देना
- सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक व्यस्तता और सामाजिक उत्तरदायित्व उच्चतर शिक्षा संस्थानों में समितियों के लिए कार्य दल बनाना
- छात्र स्वयं समूह बनाने के लिए
- एच.ई.आई. को ग्रामीण समुदाय के साथ काम करने में सक्षम बनाना विकास की चुनौतियों की पहचान करना और उचित समाधान लाना
- एस.ई.एस.आर.ई.सी. के एम.जी.एन.सी.आर.ई. फोकस क्षेत्रों के बीच स्थिरता में तेजी लाने के लिए।
- अपने परिसर में सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एच.ई.आई. के प्रयासों की सराहना करना और भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा करना

के.पी. सरकारी पी.जी. कॉलेज देवास मध्य प्रदेश 21 नवंबर

आई.पी.एस. अकादमी झाबुआ एम.पी.

राजीव गांधी सरकारी पी.जी. कॉलेज मंदसौर एम.पी. 22 नवंबर

स्वामी विवेकानंद पी.जी. कॉलेज नीमच एम.पी. 23 नवंबर

महाराजा भोज पी.जी. कॉलेज धार एम.पी. 24 नवंबर

एस.बी. नायक सरकारी पी.जी. कॉलेज बड़वानी एम.पी. 25 नवंबर

सरकारी पी.जी. कॉलेज अलीराजपुर 27 नवंबर

दैनिक भास्कर झाबुआ 28-11-2022

कार्यशाला में स्वच्छता, साफ सफाई, जल अपशिष्ट और ऊर्जा प्रबंधन पर हुई चर्चा

महाविद्यालय के समाजकार्य विभाग के कार्यक्रमों को प्रोजेक्टर से साझा किया

कार्यशाला को संबोधित करतीं संयुक्त कलेक्टर जानकी यादव।

संयुक्त कलेक्टर अलीराजपुर, श्रीमती जानकी यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कला और विज्ञान महाविद्यालय रतलाम मध्य प्रदेश 28 नवंबर

धर्म . समाज . संस्थ

दैनिक भास्कर, रतलाम, गुरुवार, 01 दिसंबर 2022

रोजगार की असीम संभावनाएं, छात्रों को प्रेरित करें प्रोफेसर: डॉ. मिश्रा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

शासकीय कला व विज्ञान महाविद्यालय में आक्यूएसी सेल- के कोलेब्रशन ने एक दिवसीय कार्यशाला की। कार्यशाला सामाजिक उद्यमिता, संवहनीयता एवं ग्रामीण सहभागिता विषय पर केंद्रित रही। इसमें जिले के सभी शासकीय और अशासकीय महाविद्यालय के प्राध्यापक शामिल हुए।

वीड कॉलेज प्राचार्य डॉ. वायके मिश्रा ने कहा उद्यमिता के माध्यम से रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। प्राध्यापकों को इसके लिए और अधिक प्रयास कर छात्रों को प्रेरित करना चाहिए। महाविद्यालय के रूसा, वर्ल्ड बैंक प्रभारी प्रो. विनोद शर्मा ने कहा कृषि में नई तकनीक के माध्यम से रुरल डेवलप पर फोकस करने की जरूरत है। आज मल्टी वर्किंग में कमी देखने को मिलती है। लोगों को एक से ज्यादा काम करने की जरूरत है। 2005 से महिलाओं की कृषि में भूमिका कम हो गई है, इसे और अधिक बढ़ाया जा सकता है। एमजीएनसीआरई के चीफ प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर वी. रविंदर रेड्डी ने एक्सान प्लान बताया। डॉ. पीसी पाटीदार, डॉ. केआर पाटीदार, डॉ. रियाज मंसूरी, प्रो. मुकेश इवने, प्रो. विजेंद्र सोलंकी, डॉ. शोभा राठौर, प्रो. हर्ष मेहसन, डॉ. सौरभ गुर्जर, डॉ. संजय आटेड़िया मौजूद थे।

12 नवंबर को उडुपी में सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता में अपने अनुभव साझा करते प्रतिभागी

हावेरी जिले में कार्यशाला को उद्योगपति श्री रवि मुधोल ने संबोधित किया

22 नवंबर को हरपनहल्ली, विजयनगर जिला कर्नाटक में कार्यशाला

बीदर में कर्नाटक शैक्षिक संस्थानों के अध्यक्ष और अन्य एच.ई.आई. द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन।

पूरे देश मे उद्यमिता को बढ़ावा देना

- ग्रामीण उद्यमिता और कौशल विकास पर कार्यशाला
- सामाजिक उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता, सतत विकास, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल पर गतिविधियों को बढ़ावा देना
- उद्यमशीलता गतिविधियों का संचालन करके राष्ट्रीय उद्यमिता माह मनाना
- जिला कलेक्टरों/कुलपतियों द्वारा उद्यमिता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने पर पोस्टर का विमोचन

महात्मा गांधी राष्ट्रीय उद्यमिता माह
20 अक्टूबर - 19 नवंबर 2022
उद्यमिता पर प्रतियोगिताएं

संस्थागत प्रकोष्ठों को सक्रिय करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. का आह्वान - सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव (एस.ई.एस.आर.ई.), ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) और व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा (वेंटेल) ने महत्वपूर्ण परिणाम दिए क्योंकि एच.ई.आई. ने पोस्टर लॉन्च करने के पथ पर अग्रसर किया और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अभियान, उद्यमिता पर प्रतियोगिताएं आयोजित करना और कार्य योजना बनाना। जिला कलेक्टर एवं प्रशासन प्रमुख प्रतियोगिता पोस्टर का विमोचन करते हुए शिक्षण संस्थानों को उद्यमशीलता गतिविधियों में भाग लेने के निर्देश देते हैं। एच.ई.आई. में छात्र स्वयं सहायता समूह (एस.एस.एच.जी.) बनाए जा रहे हैं जो उनकी व्यावसायिक गतिविधियों को चुनिंदा महत्वपूर्ण दिनों पर आयोजित करेंगे और उन दिनों के आसपास उनके प्रचार और बिक्री का संचालन करेंगे।

मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वूमेन चंडीगढ़ ने उद्यमिता दिवस के मौके पर प्रासंगिक गतिविधियों का आयोजन किया जिसका उद्देश्य नवाचार, उद्यमशीलता, सतत विकास, कौशल विकास और कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है।

एमसीएम ने दिवाली उत्सव और एंटी-क्रैकर जागरूकता रैली के साथ दीपावली मनाई

MCM celebrates Women Entrepreneurship Day with 3-day workshop on Oyster Mushroom Cultivation

CHANDIGARH: To mark the celebration of Women Entrepreneurship Day, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, a recognised Vocational Education Nai Talim Experiential Learning (VENTEL) Action Plan Institution, organised a 3-day skill development workshop on Oyster Mushroom Cultivation, in association with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Ministry of Education, Government of India. The workshop was organised with the objective of promoting the spirit of Mahatma Gandhi's Nai Talim and experiential learning concept, and instilling in the participants the culture of entrepreneurship and sustainable development. The workshop kick-started with an interactive online session on Women Entrepreneurship. Principal Dr. Nisha Bhargava inaugurated the workshop, wherein she highlighted the need to integrate vocational education and training as part of learning and teaching. She also underscored the importance of acquiring entrepreneurial skills and mindset essential for enhancing future avenues and for nation's development. Adding that women have the innate abilities of an entrepreneur, she said that more and more women need to take up entrepreneurship and become employment generators. Mr. Samarth Sharma (Consultant, MGNCRE) also partook in the inaugural session.

शिल्प और मिठाई बनाने की प्रतियोगिता आयोजित

एसडी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी। सौजन्य विज्ञप्ति

अंबाला : सनातन धर्म कालेज में पर्यावरण संघ, इतिहास संघ एवम रोट्रैक्ट क्लब ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा संस्थान के सहयोग में ग्रामीण उद्यमिता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिल्प और मिठाई बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्कूल और कालेजों के 40 छात्रों ने भाग लिया। प्राचार्य डा. राजिंदर सिंह ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की और उन्हें प्रेरित किया। कालेज के पीआरओ डा. नवीन गुलाटी ने छात्रों को पर्यावरण के लिए काम करने और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पर्यावरण संघ के पर्यावरण दूतों को बैज देकर सम्मानित किया गया। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित कियागया। आयोजन के दौरान डा. दिव्या जैन, डा. जयदीप चौहान, प्रो. जीनत मदान, प्रो. सुमित छिब्बर, प्रो. आरजू तंवर, प्रो.ललित, प्रो. रेनू आदि मौजूद रहे।

dainik jagran 16/11/22

एस.डी. कॉलेज लाहौर अंबाला कैंट.

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खैराबाद, सीतापुर

कार्यालय प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

उत्तर प्रदेश में उद्यमिता गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली सामाजिक उद्यमिता पर कार्यशाला

कुछ झलक.....

छात्र स्वयं सहायता समूह गाज़ियाबाद

अलीगढ़ फर्रुखाबाद

हाथरस

बिजनौर

मुरादाबाद इटावा

स्टेट मीडिया

बलिया

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी राष्ट्रीय उद्यमिता माह कार्यशाला का हुआ आयोजन

Earn more with less investment

KOLLAPOOR PG CENTER PRINCIPAL -DR. MARKE POLONEYES

DECCAN NEWS SERVICE
NAGARKURNOOL

National Entrepreneurship Day was organized by the Mahatma Gandhi National Council of Rural Education at the Postgraduate center Kollapoor under the supervision of Palamuru University. On this occasion handlooms, thread bangles, Telangana pastries, paper craft works, and various items made by the students of the college were exhibited and sold to the people through twelve stalls.

College Principal and MGNCRE and Nagarkurnool District Mentor Dr. Marke Poloneyes stated that the main objective of this program is to teach students how to manage and practice their businesses. The exhibition visited town people. Degree college students and the principal, vice principal, and faculty of the college. Coordinator Dr. Anjaneulu informed that an investment of about ten thousand rupees has been made for all the items placed in this exhibition and more than fourteen thousand has been earned through sales.

Various heads of departments and faculty and students participated in this program. The students expressed their happiness in making a profit through this program.

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा, "हम ग्रामीण शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम और पहलुओं पर काम करेंगे।"

महिला उद्यमिता दिवस **धनलक्ष्मी श्रीनिवासन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पेरम्बलुर** तमिलनाडु में मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री ए. श्रीनिवासन, कुलाधिपति धनलक्ष्मी श्रीनिवासन विश्वविद्यालय ने की और सुश्री डॉ. आनंदी, निदेशक, इंडियन ओवरसीज बैंक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर.एस.ई.टी.ई.) पेरम्बलुर ने इसकी शोभा बढ़ाई।)

देश भर में एच.ई.आई. द्वारा की जाने वाली उद्यमिता गतिविधियां... कुछ झलक

बिरसा कॉलेज में राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस मना, 21 फूड स्टॉल लगाए, उमड़ी भीड़

एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में अप्रेंटिस को वर्क मोड पर प्रशिक्षित किया गया!

उद्यमिता को बढ़ावा देना - दरभंगा के जिलाधिकारी श्री राजीव रौशन पोस्टर का विमोचन करते हुए

उद्यमिता को बढ़ावा देने कलेक्टर ने जारी किया पोस्टर

उद्यमिता को बढ़ावा - पोस्टर का विमोचन श्री अनुराग वर्मा, डीएम सतना जिला सांसद द्वारा किया जा रहा है

मां चंद्रिका महाविद्यालय, महोबा, यू.पी.

प्रधानाचार्य, सरकारी नवीन महाविद्यालय, विश्रामपुरी, जिला कोंडागांव, छत्तीसगढ़ उद्यमिता पर पोस्टर वोमोचन करते हुए।

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाग, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004

दूरभाष: 040-23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादक: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित

RNI NO: TELENG/2021/81111